No. of Printed Pages : 8

MTT-033

P. G. CERTIFICATE IN TRANSLATION AND ADAPTATION

(PGCAR)

Term-End Examination

June, 2022

MTT-033 : SCRIPT WRITING, ADAPTATION AND AUDIO-VISUAL MEDIA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any **three** questions from Question Nos. **1** to **7**. Each question carries equal marks. Answer long answer questions in about **700** words. Question No. **8** is compulsory and it carries **40** marks. Answer question no. **8** as per given instructions.*

1. Elucidate the meaning and concept of script writing.
2. Examine various points pertaining to script writing for film.

3. Describe important elements of audio-visual content.

4. Elaborate various types of mass media.

5. Discuss the issues relating to adaptation of literary genres into films.

6. Write an essay on the challenges of radio adaptation.

7. Write short notes on any ***two*** of the following :

   (a) Script writing for advertisement film

   (b) Drama and Stage

   (c) Cinematic adaptation of Novel

   (d) Telefilm and adaptation

8. Read the given text carefully. This excerpt is from *Do Bailon ki Katha,* a short story written by Premchand. Write a script for its radio adaptation :

   सहसा घर का द्वारा खुला और वही लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूँछें खड़ी हो गयी। उसने उनके माथे सहलाये और बोली–खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओं, नहीं तो यहाँ के लोग मार डालेंगे। आज ही घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दो जाएं।

उसने गराँव खोल दिया, पर दोनों चुपचाप खड़े रहे। मोती ने अपनी भाषा में पूछा-अब चलते क्यों नहीं। हीरा ने कहा-चलें तो लेकिन कल इस अनाथ पर आफत आयेगी। सब इसी पर संदेह करेंगे। सहसा बालिका चिल्लायी-दोनों फूफा वाले बैल भागे जा रहे हैं। ओ दादा दोनों बैल भागे जा रहे हैं, जल्दी दोड़ो।

गया हडबड़ाकर बाहर निकला और बैलों को पकड़ने चला। वे दोनों भागे। गया ने पीछा किया। और भी तेज हुए। गया ने शोर मचाया। फिर गाँव के कुछ आदमियों को भी साथ लेने के लिए लौटा। दोनों मित्रों को भागने का मौका मिल गया। सीधे दौड़ते चले गये। यहाँ तक कि मार्ग का ज्ञान न रहा। जिस परिचित मार्ग से आये थे, उसका यहाँ पता न था। नये-नये गाँव मिलने लगे। तब दोनों एक खेत के किनारे खड़े होकर सोचने लगे, अब क्या करना चाहिए।

हीरा ने कहा-मालूम होता है, राह भूल गये।

'तुम भी तो बताहाशा भागे। वहीं मार गिराना था।'

'उसे मार गिराते तो, दुनिया क्या कहती? वह अपना धर्म छोड़ दे, लेकिन हम अपना धर्म क्यों छोड़ें?'

दोनों भूख से व्याकुल हो रहे थे। खेत में मटर खड़ी थी। चरने लगे। रह-रहकर आहट ले लेते थे, कोई आता-जाता तो नहीं ह।

जब पेट भर गया, दोनों ने आजादी का अनुभव किया तो मस्त होकर उछलने-कूदने लगे। पहले दोनों ने डकार ली। फिर सींग मिलाये और एक-दूसरे को ठेलने लगे। मोती ने हीरा को कई कदम पीछे हटा दिया, यहाँ तक कि वह खाई में गिर गया। तब उसे भी क्रोध आया। संभलकर उठा और फिर मोती से मिल गया। मोती ने देखा-खेल में झगड़ा हुआ चाहता है तो किनारे हट गया।

MTT-033

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र

(पी.जी.सी.ए.आर.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम. टी. टी.-033 : स्क्रिप्ट लेखन, रूपांतरण एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **7** में से कुल **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **700** शब्दों में दीजिए। प्रश्न संख्या **8** अनिवार्य है। यह 40 अंक का प्रश्न है। प्रश्न संख्या **8** का उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।*

---

1. स्क्रिप्ट लेखन के अर्थ एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. फिल्म स्क्रिप्ट लेखन से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं की विवेचना कीजिए।

3. दृश्य-श्रव्य सामग्री के महत्वपूर्ण तत्वों की व्याख्या कीजिए।

4. संचार माध्यम के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

5. साहित्यिक विधाओं के फिल्म रूपांतरण संबंधी मुद्दों की चर्चा कीजिए।

6. रेडियो रूपांतरण की चुनौतियों पर निबंध लिखिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) विज्ञापन फिल्म के लिए स्क्रिप्ट लेखन

   (ख) नाटक एवं रंगमंच

   (ग) उपन्यास का सिनेमाई रूपांतरण

   (घ) टेलीफिल्म और रूपांतरण

8. नीचे दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए। यह अंश प्रेमचंद की कहानी 'दो बैलों की कथा' से लिया गया है। इसके रेडियो रूपांतरण के लिए स्क्रिप्ट लेखन कीजिए :

   सहसा घर का द्वारा खुला आर वही लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की

पूँछें खड़ी हो गयीं। उसने उनके माथे सहलाये और बोली–खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो यहाँ के लोग मार डालेंगे। आज ही घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दी जाए।

उसने गराँव खोल दिया, पर दोनों चुपचाप खड़े रहे। मोती ने अपनी भाषा में पूछा–अब चलते क्यों नहीं। हीरा ने कहा–चलें तो लेकिन कल इस अनाथ पर आफत आयेगी। सब इसी पर संदेह करेंगे। सहसा बालिका चिल्लायी–दोनों फूफा वाले बैल भागे जा रहे हैं। ओ दादा ! दोनों बैल भागे जा रहे हैं, जल्दी दोड़ो।

गया हड़बडाकर बाहर निकला और बैलों को पकड़ने चला। वे दोनों भागे। गया ने पीछा किया। और भी तेज हुए। गया ने शोर मचाया। फिर गाँव के कुछ आदमियों को भी साथ लेने के लिए लौटा। दोनों मित्रों को भागने का मौका मिल गया। सीधे दौड़ते चले गये। यहाँ तक कि मार्ग का ज्ञान न रहा। जिस परिचित मार्ग से आये थे, उसका यहाँ पता न था। नये–नये गाँव मिलने लगे। तब दोनों एक खेत के किनारे खड़े होकर सोचने लगे, अब क्या करना चाहिए।

हीरा ने कहा–मालूम होता है, राह भूल गये।

'तुम भी तो बेताहाशा भागे। वहीं मार गिराना था।'

'उसे मार गिराते तो, दुनिया क्या कहती? वह अपना धर्म छोड़ दे, लेकिन हम अपना धर्म क्यों छोड'

दोनों भूख से व्याकुल हो रहे थे। खेत में मटर खड़ी थी। चरने लगे। रह–रहकर आहट ले लेते थे, कोई आता–जाता तो नहीं है।

जब पेट भर गया, दोनों ने आजादी का अनुभव किया तो मस्त होकर उछलने–कूदने लगे। पहले दोनों ने डकार ली। फिर सींग मिलाये और एक–दूसरे को ठेलने लगे। मोती ने हीरा को कई कदम पीछे हटा दिया, यहाँ तक कि वह खाई में गिर गया। तब उसे भी क्रोध आया। सँभलकर उठा और फिर मोती से मिल गया। मोती ने देखा–खेल में झगड़ा हुआ चाहता है तो किनारे हट गया।